वार्ड 50 में पेवर ब्लाॅक, शेड निर्माण एवं व्यायाम शाला का होगा निर्माण, महापौर श्री देवेंद्र यादव ने एक साथ 5 स्थलों पर किया भूमि पूजन, निगम क्षेत्र में विकास कार्यों की बड़ी रफ्तार

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 50 में छत निर्माण, पेवर ब्लाॅक, शेड निर्माण एवं व्यायाम शाला का निमार्ण किया जाएगा। सेक्टर 02 क्षेत्र में विकास कार्य के लिए आज महापौर एवं भिलाईनगर विधायक श्री देवेन्द्र यादव ने वार्ड पार्षद एवं वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति में भूमिपूजन किया। 23.75 लाख की लागत से क्षेत्र में होने वाले निर्माण कार्य से नागरिकों को सार्वजनिक आयोजनों में सहूलियत मिल सकेगी। वार्ड 50 सेक्टर 02 के स्थानों पर विकास कार्यों की शुरूआत करने आज महापौर श्री देवेन्द्र यादव ने भूमिपूजन किया। वार्ड 50 में छत निर्माण, शेड निर्माण, व्यायाम शाला एवं उद्यान के चारो तरफ पेवर ब्लाॅक लगाया जाएगा। वार्ड के युवाओं ने व्यायाम शाला की मांग किए थे जिसकी सौगात महापौर ने दी है। श्री यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्यान के चारो ओर पेवर ब्लाॅक लगाने सहित सभी कार्याे को गुणवत्तापूर्वक निर्धारित समय में पूर्ण किया जाए ताकि वार्ड के नागरिकों को सुविधा मिल सके। नए मंच का निर्माण होने से सार्वजनिक आयोजनों में धूप एवं बारिश बाधा नहीं आएगी। भूमिपूजन कार्यक्रम के बाद महापौर श्री यादव वार्ड के नागरिकों से मुखातिब हुए और उनके साथ वार्ड के विकास से संबंधित चर्चा किए। भिलाई निगम के जोन कं. 03 अंतर्गत वार्ड 50 में 2 स्थान पर महापौर श्री यादव ने भूमिपूजन किए, सेक्टर 02 में 23.75 लाख रूपए की लागत से विकास कार्य किए जाएंगे। वार्ड के आस्था कार्यालय में पक्का छत का निर्माण एवं पेवर ब्लाॅक , सड़क 16 किनारे गणेश मंच में शेड निर्माण, सड़क 15 के मंदिर में टीन शेड और मंदिर के पीछे व्यायाम शाला तथा वार्ड 50 के ए मार्केट के सामने उद्यान के चारो तरफ पेवर ब्लाॅक लगाया जाएगा।

विभिन्न स्रोतों से बहने वाले विशुद्ध पानी को फाइटोराइट पद्धति से किया जा रहा शुद्ध, सिंचाई के लिए किया जा रहा है उपयोग

भिलाई नगर/ भिलाई नगर रेलवे स्टेशन के समीप एवं नवनिर्मित बस डिपो के पीछे कोसा नाला क्षेत्र मे स्थापित फाइटो राइट पद्धति से पानी को शुद्ध करने का कार्य किया जा रहा है! इकोलॉजिक साइंस टेक्निक प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा तैयार किया गया फाइटो राइट एक ऐसी पद्धति है जो नाले में बहने वाले गंदे पानी को जिसमें सॉलिड वेस्ट के साथ साथ विभिन्न प्रकार के पदार्थ जैसे पॉलिथीन आदि जल में मिश्रित रहते हैं, विशुद्ध रहते हैं को सर्वप्रथम शेल्टर टैंक एवं जाली के माध्यम से रोक दिया जाता है जिससे जितने सॉलिड वेस्ट मटेरियल एवं ठोस पदार्थ है वह शेल्टर टैंक के ऊपर ही रह जाते हैं तत्पश्चात पांच प्रकार की विभिन्न पद्धति द्वारा जल को उपचारित किया जाता है जिसे फाइटोराइट बेड कहा जाता है इस बेड की खासियत यह है कि इसमें डाले हुए गिट्टी मे बायो मीडिया जीवाणु होता है जोकि पानी मे बहने वाले छोटे-छोटे हानिकारक एवं अनुपयोगी पदार्थों को खत्म करने का कार्य करता है इसी पद्धति में पौधों का भी विशेष महत्व होता है यह पौधे विशेष प्रकार के पौधे होते हैं जो पानी में ही जीवित रहते हैं तथा इनके जड़ पानी में तैरते रहते हैं जोकि हानिकारक तत्व को ग्रहण कर लेते हैं जिससे पानी शुद्धिकरण होता है , इसके बाद जो पानी शेष बचता है वह शुद्ध पानी अन्य कई कार्यों में उपयोग किया जा सकता है, यह पानी को संग्रहण करने का एक अच्छा जरिया है! अब इस पानी का उपयोग गौठान के विभिन्न कार्यों के लिए किया जा रहा है इसके लिए बकायदा गौठान में चार स्थलों पर पॉइंट दिए गए हैं!